

१९५८।१७।०१।४९८४
प्राध्यात्मिक लोकपी त्रिवेणी

अनुवाद
SB

No. 0352533

कोटुंधिक पुरावडापत्रिभूत शिल्पापत्रिभूत
शिल्पापत्रिभूत प्रेस २००५/२००६

| | | |
|--|-------------|--|
| अनुसारी | 25 | क्रमांक प्राप्तिक्रमांक शिक्षावाटप नंग्र/१७५/२०८/८८ |
| SB | No. 0352533 | |
| | | क्रमांक १७५४८ |
| अर्ज क्रमांक २८३९६५५ ९८००९ | | क्रमांक शिक्षावाटप |
| नागरिकत्व शासनीय | | |
| कुटुंब प्रमुखाधे नाथ | | कलाश |
| द्वा २२ अप्रैल १२११ से २० त्रौनेवी मुंजी | | ११६ |

अजात नम् १००००० रुपुंदाये एकत्रित वापिक उत्तरन क. १९६,०००/-
 ग्रंथ वापरति अस्यलग्नम् ज्ञानाचार्यकृते प्राहकाये नाव
 ग्राम्यक श्रेष्ठपाक फूल लाला गोपी ७८८३८ सिलिङ्ग प्रभा
 ग्रंथ वितरणाचय नाव व ठिकाण

कुडंव प्रभुखाची सही किंवा डाळे
हाताच्या आगऱ्याच्या ठसा

| युनिटांची संख्या | | | निरीक्षक शिधावाट्या |
|------------------|------|--------|------------------------|
| प्रौढ | मुले | युनिटे | अधिक्षाऱ्याची गव्ही |
| 2 | 0 | 8 | 200 |
| 2 | 2 | 6 | 200 |
| 3 | 0 | 0 | 200 |
| 4+3=7 | 0 | (नाही) | 200 |
| 3 | 9 | 6 | 200 |

URI = 00020934

अन् नारी पुरुषा व्यग्राहक संरक्षण विभाग

मध्ये
संरक्षण विधा
नात्मक शास

गुजराती पुस्तकालय, गोदावरी नगर ७७६००३५ निक

गोवा भाषा / अ.शि. दुर्घान क्रमांक ३३४/२००८ दिनेकाळ T ८२०

पुरबठाप्तिकेत् शिवायति त्रिमार्याय असलेणा नाथ

| अनु- क्रमांक | त्रिभुवन नाम | वय | प्रसूजनी नाम | प्रतिशोधित नाम |
|-----------------|-----------------|-----|-----------------|----------------|
| १ | त्रिभुवन लाल | ३३ | ४९०५ | प्रतिशोधित नाम |
| २ | लीला | २६ | ५००५ | प्रतिशोधित नाम |
| ३ | मालिखा | ५०५ | ५००० | प्रतिशोधित नाम |
| | बाल्मी | १०० | ५००० | प्रतिशोधित नाम |
| | पर्वती | ५५ | ५००० | प्रतिशोधित नाम |

५.—मूळ पञ्चिकेस पाच रुपये, दुय्यम पञ्चिकेस दहा रुपये